

=:: एक दिन वो भोले भंडारी बन करके बृज नारी गोकुल में आ गए हैं ::=-

एक दिन वो भोले भंडारी बन करके बृज नारी गोकुल में आ गए हैं ।

पारवती भी मना के हारी, न माने त्रिपुरारी, गोकुल में आ गए हैं ॥

पारवती से बोले बाबा में भी चलूँगा तेरे साथ में ।

राधा संग श्याम नाचे, में भी नाचूँगा तेरे संग में ।

रास रचेगा बृज में भारी, हमें दिखादे प्यारी ॥

गोकुल में आ गये हैं -२

ओ मेरे भोले स्वामी, कैसे ले जाऊ तोहे रास में ।

मोहन के सिवा कोई, पुरुष न नाचे इस रास में ।

हंसी करेगी बृज की नारी, मानो बात हमारी ॥

गोकुल में आ गये हैं -२

ऐसा सजा दे मुझको, कन्हैया न जाने मेरे राज को ।

में हूँ सहेली तेरी, ऐसा बताना बृजराज को ।

लगा के गजरा बाँध के साड़ी, चाल चले मतवाली ॥

गोकुल में आ गये हैं -२

ऐसी बजाई बंसी, सुधबुध भूले भोलेनाथ रे ।

आ ही गये रे शंभू , समझ गये बृजराज रे ।

सरक गई जब सिर से साड़ी, पूछता ये बनवारी ॥

गोकुल में आ गये हैं -२

बोल शंकर भगवान् की जय...

बोलो कृष्ण कन्हैया लाल की जय....

बोल नाथ जी महाराज की जय...